
Narahari Ashtakam

नरहर्यष्टकम्

Document Information



Text title : Narahari Ashtakam

File name : naraharyaShTakam.itx

Category : vishhnu, vAdirAja, vishnu, aShTaka, dashAvatAra

Location : doc_vishhnu

Author : vAdirAjayati

Proofread by : Uma Mahesh, Revathy R.

Latest update : June 8, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

June 8, 2024

sanskritdocuments.org



नरहर्यष्टकम्



यद्धितं तव भक्तानामस्माकं नृहरे हरे ।
तदाशु कार्यं कार्यज्ञं प्रळयार्कायुतप्रभ ॥ १ ॥
रटत्सटोय भ्रुकुटीकठोरकुटिलेक्षण ।
नृपञ्चास्य ज्वलज्वालोज्ज्वलास्यारीन्हरे हर ॥ २ ॥
उन्नद्धकर्णविन्यास विवृतानन भीषण ।
गतदूषण मे शत्रून् हरे नरहरे हर ॥ ३ ॥
हरे शिखिशिखोद्धास्वदुरः क्रूरनखोत्कर ।
अरीन् संहर दंष्ट्रोग्रस्फुरजिह्व नृसिंह मे ॥ ४ ॥
जठरस्थजगज्जाल करकोट्युद्यतायुध ।
कटिकल्पतटित्कल्पवसनारीन् हरे हर ॥ ५ ॥
रक्षोध्यक्षबृहद्वक्षोरुक्षकुक्षिविदारण ।
नरहर्यक्ष मे शत्रुपक्षकक्षं हरे दह ॥ ६ ॥
विधिमारुतशर्वेन्द्रपूर्वगीर्वाणपुङ्गवैः ।
सदा नताङ्घ्रिद्वन्द्वारीन् नरसिंह हरे हर ॥ ७ ॥
भयङ्करोर्वलङ्कार वरहुङ्कारगर्जित ।
हरे नरहरे शत्रून्मम संहर संहर ॥ ८ ॥
वादिराजयतिप्रोक्तं नरहर्यष्टकं नवम् ।
पठन्नृसिंहकृपया रिपून् संहरति क्षणात् ॥ ९ ॥
इति श्रीमद्वादिराजपूज्यचरणविरचितं
नरहर्यष्टकं सम्पूर्णम् ।
भारतीरमणमुख्यप्राणान्तर्गतं श्रीकृष्णार्पणमस्तु ।

Proofread by Uma Mahesh



Narahari Ashtakam
pdf was typeset on June 8, 2024



Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

